पाठ 8: रामवृक्ष बेनीपुरी (बालगोबिन भगत)

प्रश्न 1: खेतीबाड़ी से जुड़े गृहस्थ बालगोबिन भगत अपनी किन विशेषताओं के कारण 'साधु' कहलाते थे?

RBSE 2020 RBSE 2024 Most Important

भगत जी गृहस्थ होते हुए भी निम्नलिखित कारणों से साधु कहलाते थे:

1. वे कबीर को अपना 'साहब' मानते थे और हमेशा सच बोलते थे।

2. वे बिना पूछे किसी की चीज़ को नहीं छूते थे।

3. उनके खेत में जो कुछ पैदा होता, उसे वे कबीर के मठ में चढ़ा देते और प्रसाद रूप में जो मिलता, उसी से गुज़ारा करते (अत्यंत निर्लोभी)।

4. वे मोह-माया से पूरी तरह मुक्त थे, जो एक सच्चे साधु की पहचान है।

प्रश्न 2: भगत की पुत्रवधू उन्हें अकेले क्यों नहीं छोड़ना चाहती थी?

RBSE 2022 RBSE 2025

बालगोबिन भगत की पुत्रवधू (बहू) एक संस्कारी स्त्री थी। वह जानती थी कि उसके पति की मृत्यु के बाद भगत जी घर में बिल्कुल अकेले हो गए हैं और वे बहुत बूढ़े हैं। यदि वह मायके चली गई, तो बुढ़ापे में भगत जी के लिए **भोजन कौन बनाएगा और बीमार पड़ने पर उन्हें पानी कौन देगा?** वह अपने ससुर की सेवा करके अपना शेष जीवन बिताना चाहती थी, इसलिए उन्हें छोड़ना नहीं चाहती थी।

प्रश्न 3: बालगोबिन भगत ने अपने बेटे की मृत्यु पर अपनी भावनाएँ किस तरह व्यक्त कीं?

RBSE 2023

भगत जी ने आम लोगों की तरह बेटे की मृत्यु पर रोना-धोना या विलाप नहीं किया। उन्होंने बेटे के शव को सफेद कपड़े से ढँक दिया और पास में एक दीपक जला लिया। वे शव के पास बैठकर पूरी तल्लीनता से **कबीर के पद गाने लगे**। उन्होंने अपनी रोती हुई बहू को भी उत्सव मनाने के लिए कहा, क्योंकि उनके अनुसार "आत्मा का परमात्मा से मिलन हो गया था" और यह दुःख का नहीं बल्कि आनंद का विषय था।

प्रश्न 4: पाठ के आधार पर बालगोबिन भगत के मधुर गायन की विशेषताएँ लिखिए।

RBSE 2026

बालगोबिन भगत के गायन में एक विशेष जादू था। उनका कंठ अत्यंत मधुर था। आषाढ़ के महीने में जब वे खेत में गाते थे, तो उनका गाना सुनकर खेलते हुए बच्चे झूम उठते थे, औरतों के होंठ गुनगुनाने लगते थे, और खेत जोतने वाले किसानों के पैर ताल से उठने लगते थे। कार्तिक की ठंडी रातों में भी उनके गायन की गर्मी से उनके माथे पर पसीना चमक उठता था।

Schorbit